पत्तल - II

पढ़ना है समझना

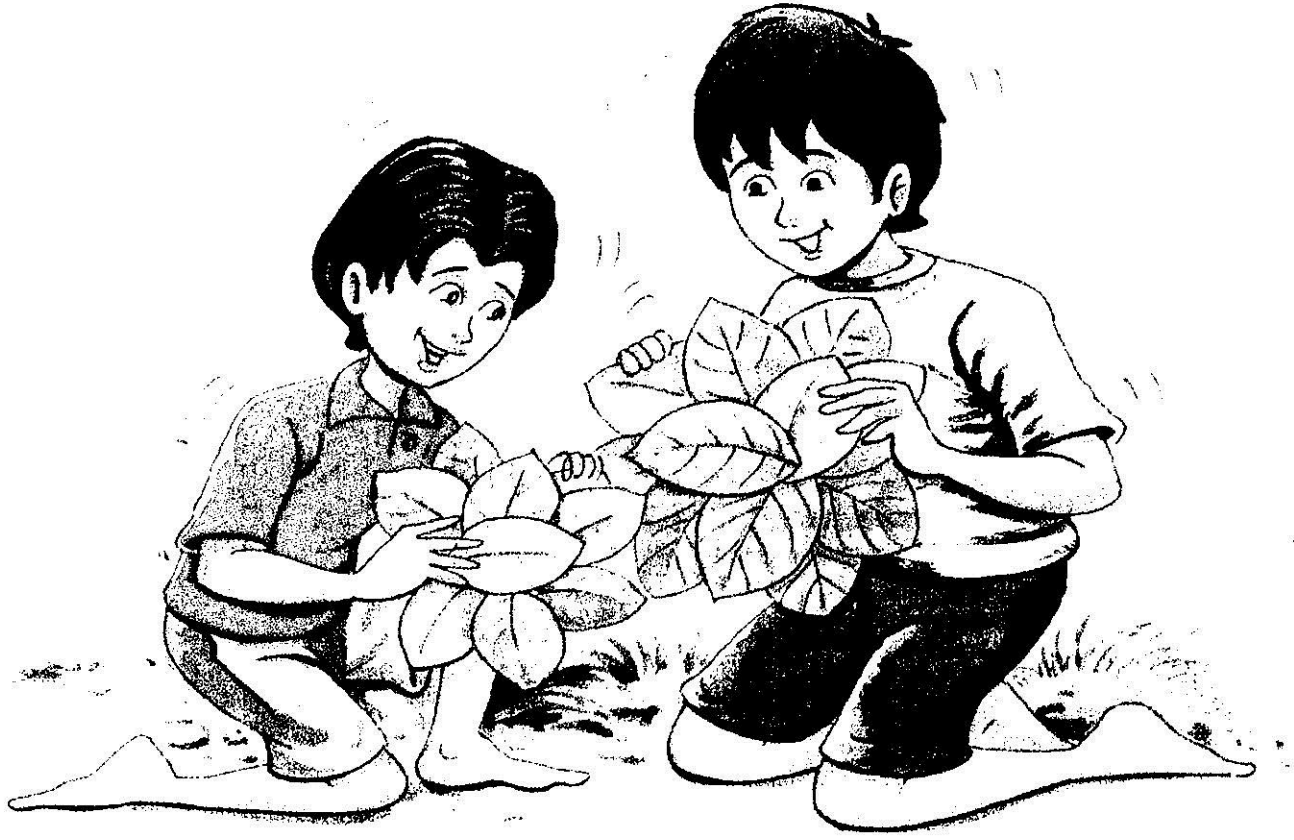

दीदी

ओमकार

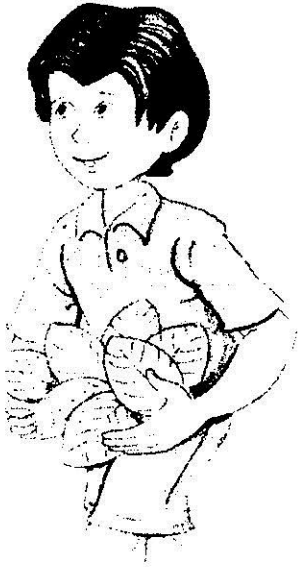

सैतराम

2

गोटक दिने सबु पिला मन दीदी संगे पिकनिक गलाय।

आंयमन सबु लगर पारक ने गलाय।

परक ने सबु पीलामन खुबे परायलाय आउर उदल्लाय।
स्बु लोक खुब असन खेल खेललाय।

खेली–खेली सबु थाकी गलाय।
सबु पिला मन के खुबे भुख लागले मुरायला।

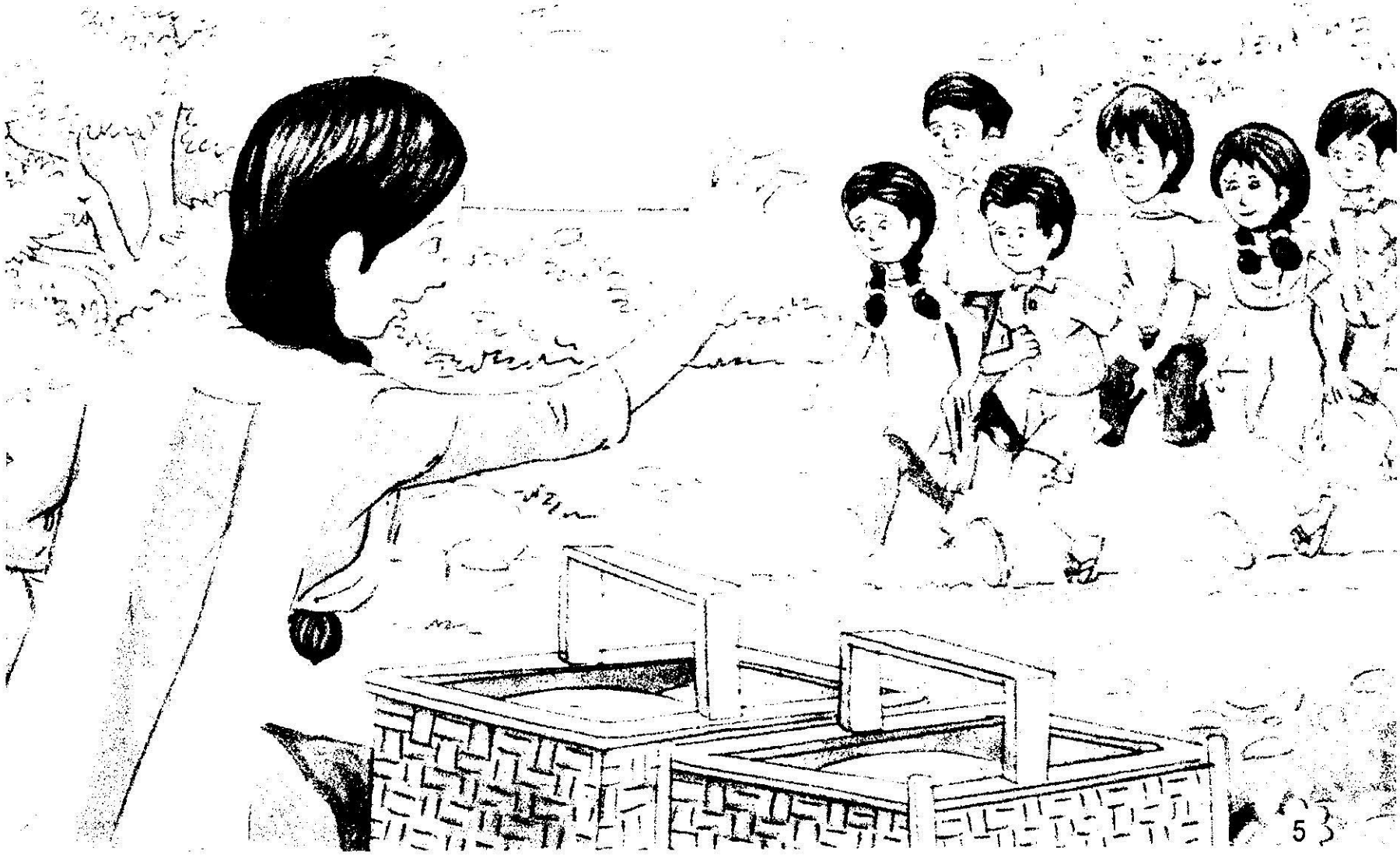

दीदी खुबे असन खायबा तीज आनी रये।

आंय सबु के खायबा कजे हांग देला।

दीदी बड़े–बड़े डब्बामनर् लाइन लगाय देला।
डब्बामनर डब्बामन संगे बड़े–बड़े चाटु सोंगाय रयेत।

दीदी एबाटे आयंबाटे कांई डगरायके मुरायला।
आंय बर्तन झोरा घरे बुलकी आई रये।

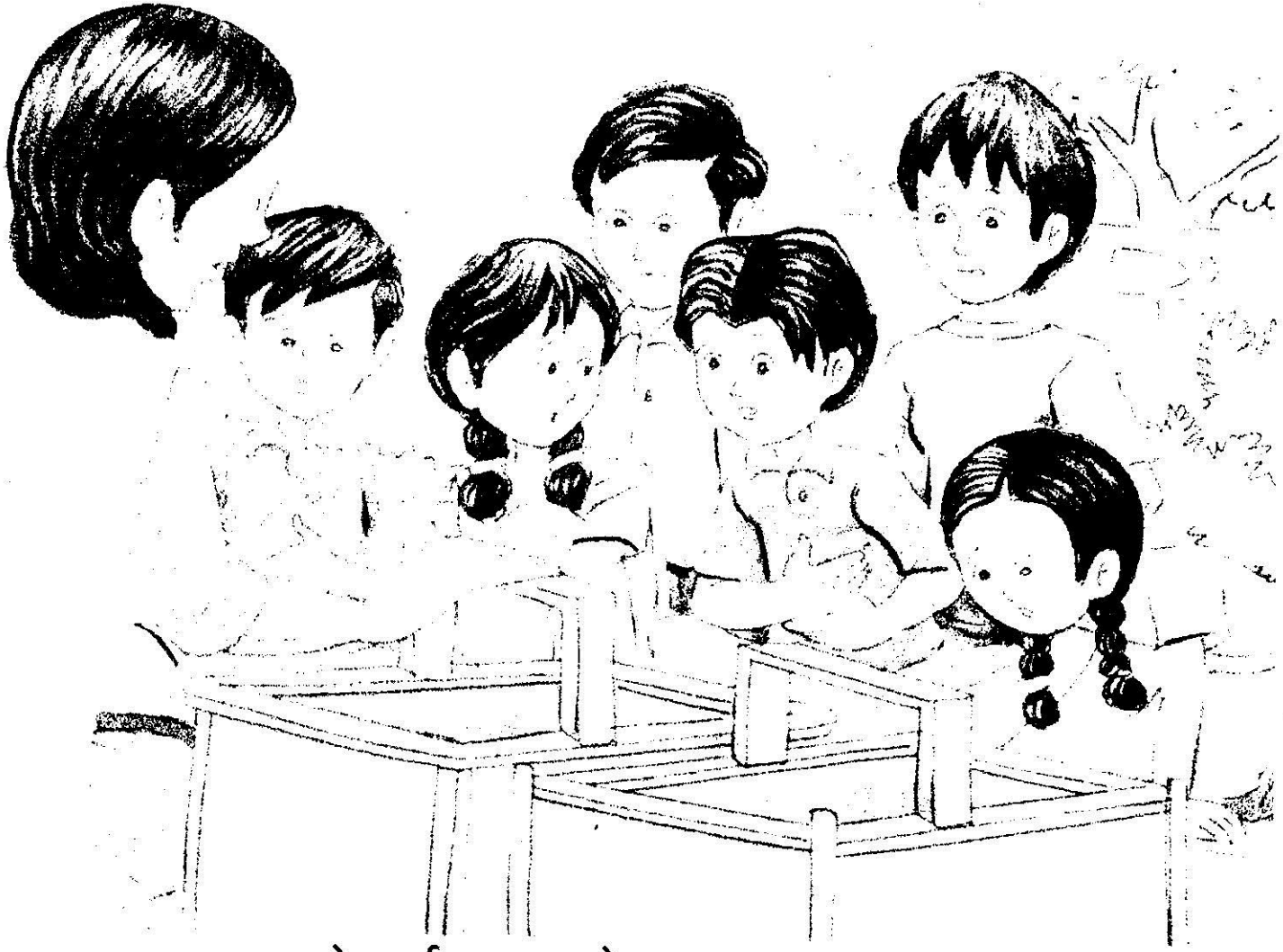

खायबा कजे बर्तन ना रये।
सबु कोलार होयके मुरायलाय।

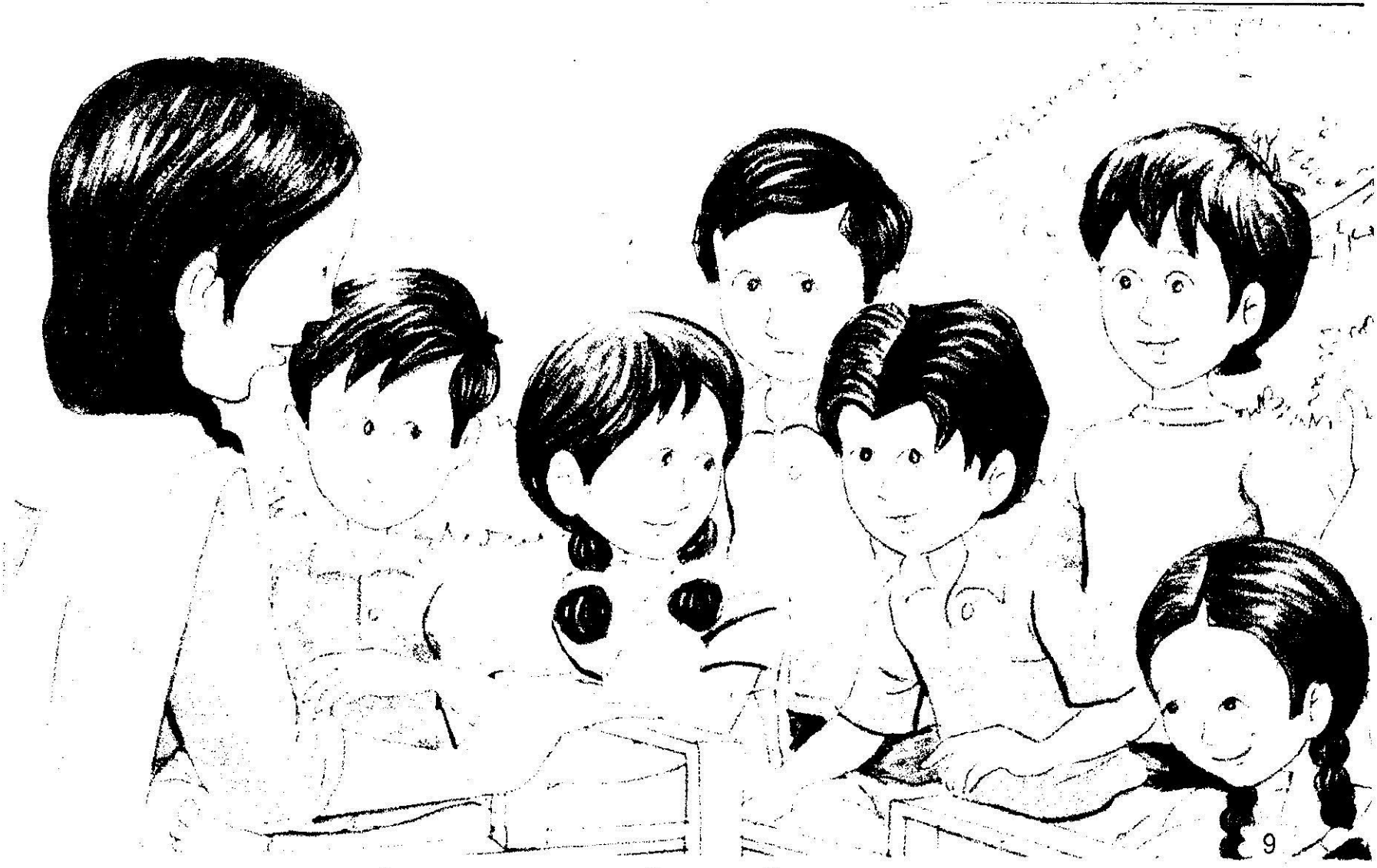

ओमकार बलला कि कली बनाउ।

कली ने भात खायबु।

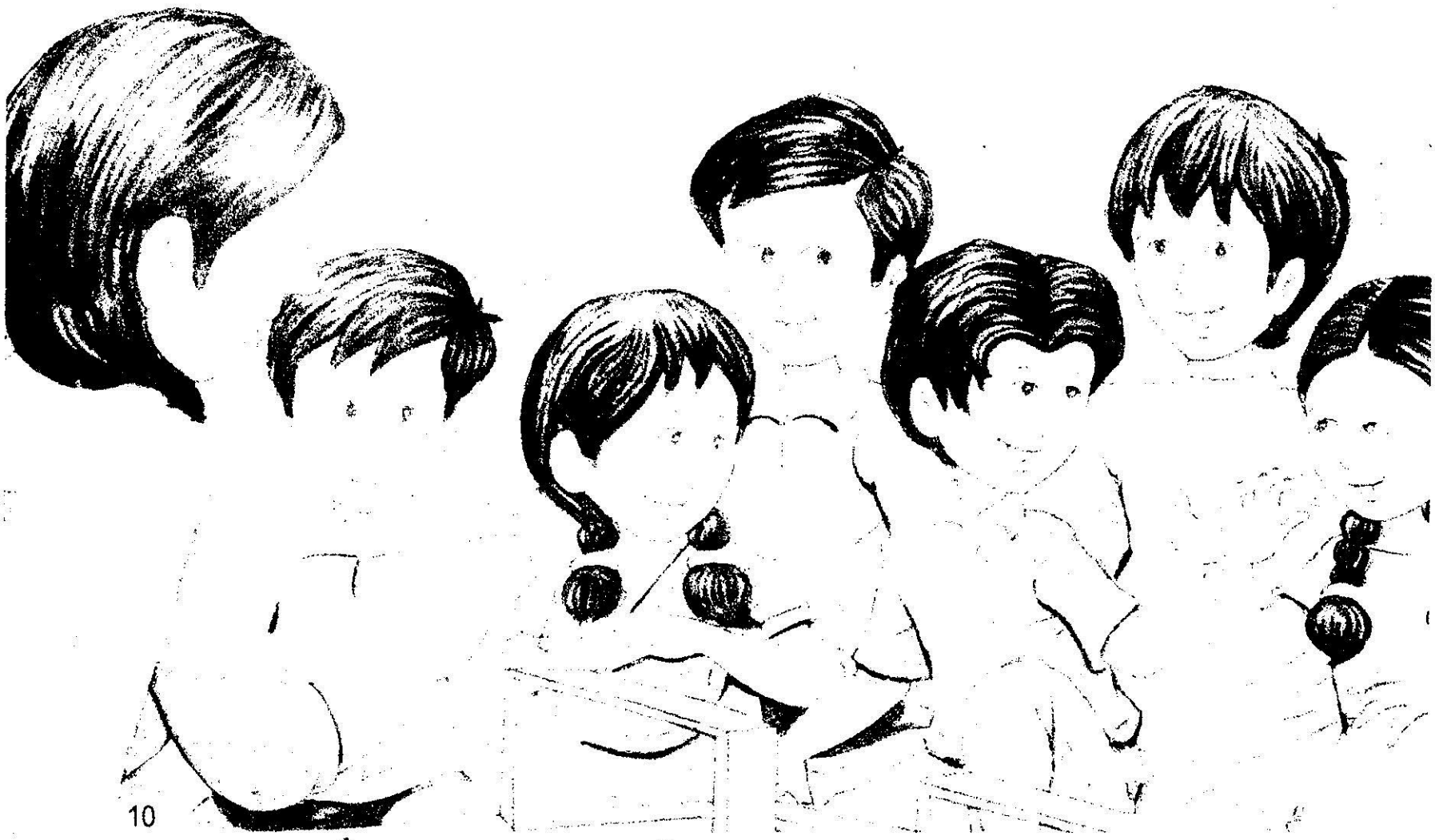

सैतराम पुछला कली कसन बनाउआत।

मदन सांगला कि पत्तर बेची आनु।

सबु पिलामन पत्तर आनके परासलाय।

सबुमन तले धसरला अच्छा पानमन के बेची आनलाय।

सैतराम बरगचर् पत्तर आनला।

ओमकार बले बरगचर् पान आनला।

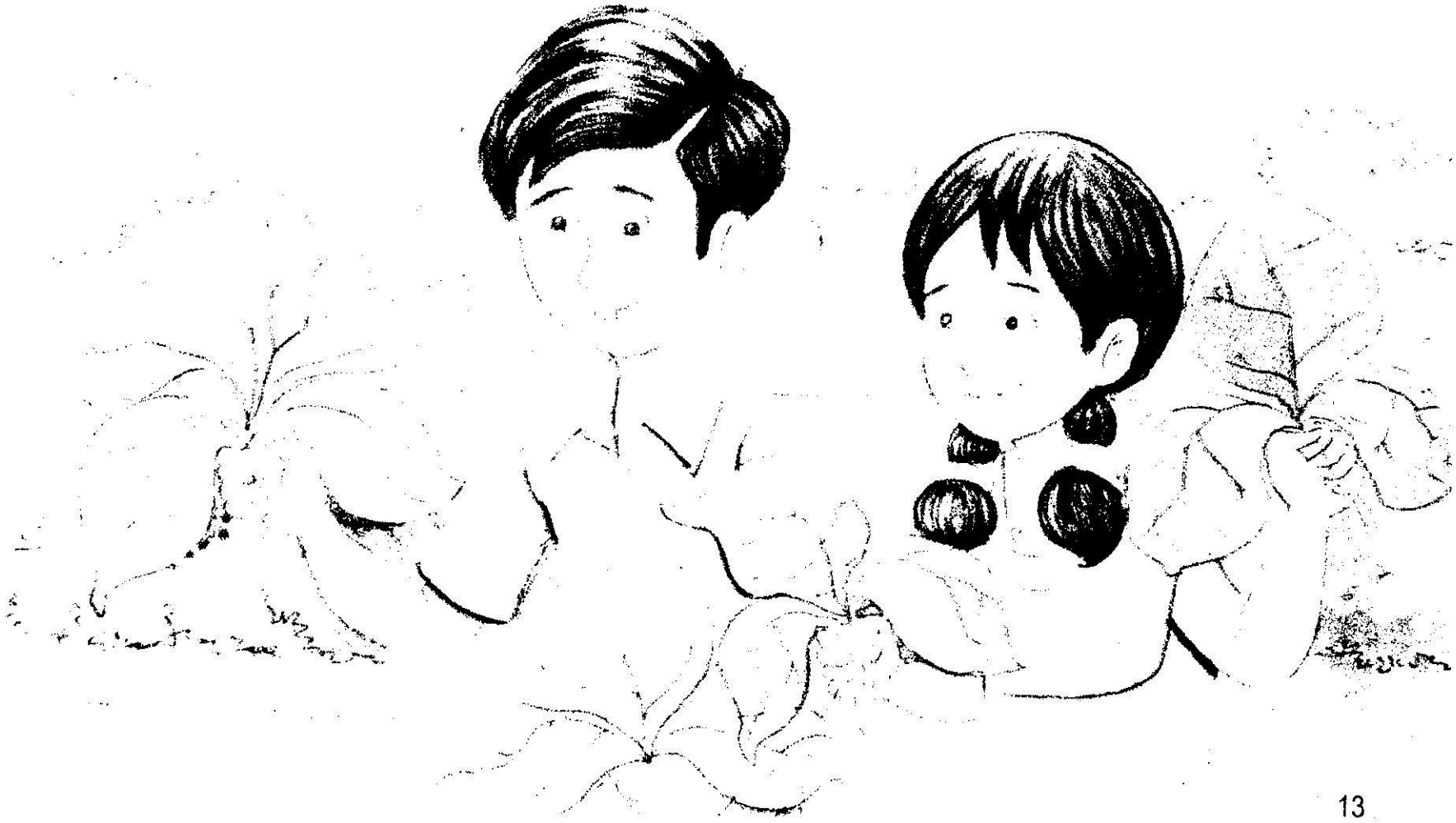

पूजा बदलीर पत्तर आनला।

राजा बले बदलीर् पत्तर आनला।

सबु मिसीकरी पत्तर के घोयलाय।

पत्तर मन के सीलक संगे जोड़ी–जोड़ी कली बनायलाय।

सबु मन कली धरी करी खाएके बसलाय।
रानी होते लीम पत्तर धरी ठिंया उठीरये।

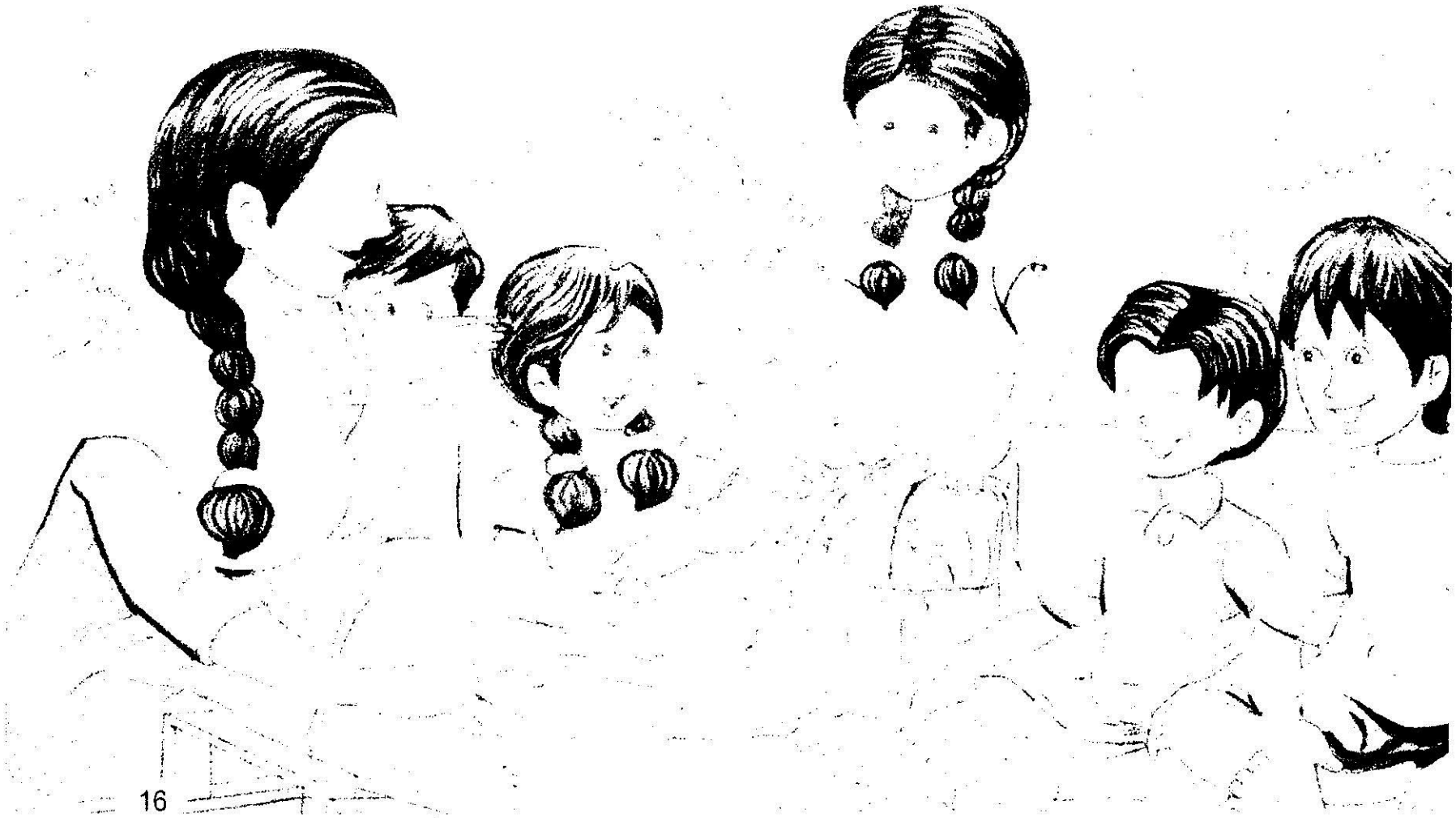

सबु हांस के मुरायलाय कि लीम पत्तर ने कोन खाउआय।
दीदी बलला की चाटी खायसी।

हिन्दी अनुवाद

1. पात्र – दीदी, ओमकार और सैतराम।
2. एक दिन सब बच्चे दीदी के साथ पिकनिक पर गये।
   वे सब पास के एक पार्क में गये थे।
3. पार्क में सब खूब दौड़े और कूदे।
   सब ने खूब सारे खेल खेले।
4. खेलते – खेलते सब थक गये।
   सारे बच्चों को जोर से भूख लगने लगी।
5. दीदी खूब सारा खाना लाई थीं।
   उन्होंने सबको खाने के लिए बुलाया।
6. दीदी ने बड़े – बड़े डिब्बे लाईन से लगा दिए।
   डिब्बों पर बड़े – बड़े चमचे रखें हुए थे।
7. दीदी इधर – उधर कुछ ढूढ़ने लगी।
   वह बर्तनों का झोला घर भूल आई थी।
8. खाना खाने के लिए बर्तन नहीं थे।
   सब शोर मचाने लगे।

9. ओमकार बोला कि पत्तल बना लेते हैं।
   पत्तल पर खाना खा लेंगे।
10. जमान ने पूँछा कि पत्तल कैसे बनेंगे।
    ओमकार ने कहा कि पत्ते बिनकर लें आयेंगे।
11. सारे बच्चे पत्ते लाने दौड़े।
    सबने नीचे पड़े हुए साफ पत्ते बीन लाये।
12. जमान बड़ के पत्ते बीन लाया।
    ओमकार भी बड़ के पत्ते बीन लाया।
13. पूजा ढाक के पत्ते लाई।
    राजा भी ढाक के पत्ते बीन लाया।
14. सबने मिलकर पत्ते धोये।
    पत्तों को सींकों से जोड़-जोड़ कर पत्तलें बनाई।
15. सब पत्तल लेकर खाना खाने बैठ गये।
    रानी हाथ में नीम की पत्ती लिए खड़ी थी।
16. सब हँसने लगे की नीम की पत्ती पर कौन खाना खाएगा।
    दीदी ने कहा की चींटी खाएगी।